પ્રભુદાસ મુળજી દોશી
મોટી ઘેરી આંટવી શાક,
રાજકોટ. (ગુજરાત)

श्री

अनुयोगद्वारसूत्र भाग पहेले की

विषयानुक्रमणिका

अनुक्रमाङ्क	विषय	पृष्ठाङ्क
१	मंगलाचरण	१- २
२	विषयों का विवरण	३-१३
३	पांच प्रकार के ज्ञान के स्वरूप का निरूपण	१३-२९
४	श्रुतज्ञान के स्वरूप का निरूपण	३०-५७
५	आवश्यक के अनुयोगस्वरूप का निरूपण	५८-६०
६	आवश्यक के निक्षेप का निरूपण	६१-६३
७	नामावश्यक के स्वरूप का निरूपण	६४-७२
८	स्थापनावश्यक के स्वरूप का निरूपण	७२-७७
९	नामावश्यक और स्थापनावश्यक के भेद का कथन	७८-८५
१०	द्रव्यावश्यक का निरूपण	८६-१०१
११	नयभेद से द्रव्यावश्यक के स्वरूप का निरूपण	१०२-११५
१२	नो आगम से द्रव्यावश्यक का निरूपण	११६-११९
१३	ज्ञायक शरीर द्रव्यावश्यक का निरूपण	११९-१२६
१४	भव्यशरीर द्रव्यावश्यक निरूपणम्	१२७-
१५	ज्ञायक शरीर भव्य शरीर व्यतिरिक्त द्रव्यावश्यक का निरूपण	१३१-१३२
१६	लौकिक द्रव्यावश्यक का निरूपण	१३२-१४१
१७	कुप्रावचनिक द्रव्यावश्यक का निरूपण	१४२-१५०
१८	ज्ञायक शरीर भव्यशरीर व्यतिरिक्त लोकोत्तरीय द्रव्यावश्यक का निरूपण	१५०-१५९
१९	भावावश्यक का निरूपण	१५९-१६४
२०	नो आगम भावावश्यक का निरूपण	१६४-१६८

२१	कुप्रावचनिक भावावश्यक का निरूपण	१६८–१७०
२२	लोकोत्तरीय भावावश्यक का निरूपण	१७१–१७७
२३	भावावश्यक के पर्याय का निरूपण	१७८–१८२
२४	नामश्रुतका निरूपण	१८३–१८४
२५	आगम से द्रव्य श्रुतका निरूपण	१८४–१८६
२६	नो आगम से द्रव्यावश्यक का निरूपण	१८६–१८७
२७	ज्ञायक शरीर द्रव्यश्रुतका निरूपण	१८७–१८८
२८	भव्यशरीर द्रव्यश्रुतका निरूपण	१८९–१९०
२९	ज्ञायक शरीर भव्यशरीर व्यतिरिक्त द्रव्यश्रुतकानिरूपण	१९०–१९९
३०	आगमसे भावश्रुतका निरूपण	२००–२०१
३१	लौकिक नो आगम से भावश्रुतका निरूपण	२०२–२०५
३२	लोकोत्तरीय नो आगमसे भावश्रुतका निरूपण	२०६–२१०
३३	भावश्रुत के पर्यायों का निरूपण	२१०–२१२
३४	स्कन्धाधिकार का निरूपण	२१३–२१५
३५	द्रव्यस्कन्ध का निरूपण	२१६–२१८
३६	द्रव्यस्कन्ध के सचित्तरूप प्रथम भेद का निरूपण	२१९–२२१
३७	अचित्त द्रव्यस्कन्ध का निरूपण	२२२–२२३
३८	मिश्र द्रव्यस्कन्ध का निरूपण	२२४–२२७
३९	अकृत्स्नस्कन्ध का निरूपण	२२८–२३०
४०	अनेक द्रव्यस्कन्ध का निरूपण	२३१–२३४
४१	आगमसे भावस्कन्ध का निरूपण	२३५–
४२	नो आगमसे भावस्कन्ध का निरूपण	२३६–२३८
४३	स्कन्धों के पर्यायों का निरूपण	२३९–२४१
४४	आवश्यक के छ अध्ययनों का निरूपण	२४१–२४५
४५	आवश्यक व्याख्यात हो चुके और आगे व्याख्यात होने वाले विषय का निरूपण	२४५–२५१
४६	लौकिक उपक्रम का निरूपण	२५१–२५३

४७	सचित्त द्रव्योपक्रम का निरूपण	२५४–२५७
४८	द्विपद संबंधी द्रव्योपक्रम का निरूपण	२५७–२५९
४९	चतुष्पद विषयक दोनों प्रकार के उपक्रम का निरूपण	२६०–२६१
५०	अपद् विषय दोनों प्रकार के उपक्रम का निरूपण	२६१–२६२
५१	अचित्त द्रव्योपक्रम का निरूपण	२६२–२६३
५२	मिश्र द्रव्योपक्रम का निरूपण	२६३–२६५
५३	क्षेत्रोपक्रम का निरूपण	२६६–२६९
५४	कालोपक्रम का निरूपण	२६९–२७१
५५	नो आगम से भावोपक्रम का निरूपण	२७१–२८४
५६	शास्त्रभावोपक्रम का निरूपण	२८४–२८५
५७	आनुपूर्वी आदि के स्वरूप का निरूपण	२८६–
५८	नामादि आनुपूर्वी का निरूपण	२८७–३०४
५९	औपनिधिकी द्रव्यानुपूर्वी का निरूपण	३०५–३१६
६०	नैगमव्यवहारअर्थपदका निरूपण	३१७–३१९
६१	भङ्गसमुत्कीर्तनता का निरूपण	३१९–३२७
६२	भङ्गोपदर्शनता का निरूपण	३२७–३३४
६३	समवतार के स्वरूप का निरूपण	३३५–३३९
६४	अनुगमके स्वरूप का निरूपण	३३९–३४३
६५	सत्पद का निरूपण	३४३–३४४
६६	द्रव्यप्रमाण का निरूपण	३४५–३४७
६७	क्षेत्रप्रमाण का निरूपण	३४८–३५५
६८	स्पर्शनाद्वार का निरूपण	३५५–३६०
६९	कालद्वार का निरूपण	३६१–३६४
७०	अन्तरद्वार का निरूपण	३६५–३७६
७१	भागद्वार का निरूपण	३७६–३८३
७२	भावद्वार का निरूपण	३८३–३८७

७३	अल्प बहुत्वद्वार का निरूपण	३८७–३९७
७४	अर्थपद का निरूपण	३९९–४०२
७५	भङ्ग समुत्कीर्तनता का निरूपण	४०३–४०५
७६	भङ्गोपदर्शनता का निरूपण	४०६–४०८
७७	समवतार के स्वरूप का निरूपण	४०८–४१०
७८	अनुगम के स्वरूप का निरूपण	४१०–४२४
७९	पूर्वानुपूर्वी आदि तीन भेदों का निरूपण	४२५–४३१
८०	पुद्गलास्तिकायको अधिकृत करके तीन द्रव्यों का निरूपण	४३१–४३८
८१	क्षेत्रानुपूर्वी का निरूपण	४३९–४४२
८२	अर्थपद की प्ररूपणा	४४२–४४८
८३	अर्थपद प्ररूपणा के प्रयोजन का निरूपण	४४९–४५०
८४	भङ्गसमुत्कीर्तनता के प्रयोजन का निरूपण	४५१–४५२
८५	भङ्गोपदर्शनता का निरूपण	४५२–४५६
८६	समवतार का निरूपण	४५६–४५७
८७	अनुगम का निरूपण	४५८–४५९
८८	द्रव्यप्रमाण का निरूपण	४६०–४६४
८९	क्षेत्रप्रमाणद्वार का निरूपण	४६५–४७७
९०	स्पर्शनाद्वार का निरूपण	४७७–४७९
९१	कालद्वार का निरूपण	४८०–४८४
९२	अन्तरद्वार का निरूपण	४८५–४९०
९३	भागद्वार का निरूपण	४९१–५००
९४	भावद्वार का निरूपण	५०१–५०२
९५	अल्पबहुत्वद्वार का निरूपण	५०३–५१०
९६	अनौपनिधिकी क्षेत्रानुपूर्वी का निरूपण	५११–५१६
९७	औपनिधिकी क्षेत्रानुपूर्वी का निरूपण	५१६–५२३
९८	अधोलोक गत क्षेत्रानुपूर्वी का निरूपण	५२३–५२६

९९	तिर्यग्लोक क्षेत्रानुपूर्वी का निरूपण	५२७–५३२
१००	ऊर्ध्वलोक क्षेत्रानुपूर्वी का निरूपण	५३३–५३९
१०१	कालानुपूर्वी आदि का निरूपण	५३९–५४०
१०२	नैगमव्यवहारनयसंमत अर्थपद का निरूपण	५४१–५४७
१०३	नैगमव्यवहारनयसंमत भङ्गसमुत्कीर्तन का निरूपण	५४८–५५०
१०४	नैगमव्यवहारनयसंमत भङ्गोपदर्शन का निरूपण	५५१–५५४
१०५	समवतार के स्वरूप का निरूपण	५५५–५५६
१०६	अनुगम के स्वरूप का निरूपण	५५७–५६२
१०७	क्षेत्रद्वार और स्पर्शनाद्वार का निरूपण	५६३–५७३
१०८	कालद्वार का निरूपण	५७४–५७७
१०९	अन्तरद्वार का निरूपण	५७७–५८७
११०	अनौपनिधिकी कालानुपूर्वी का निरूपण	५८७–५८८
१११	अर्थपदप्ररूपण आदि का निरूपण	५८८–५८९
११२	औपनिधिकी कालानुपूर्वी का निरूपण	५९०–६०१
११३	उत्कीर्तनानुपूर्वी का निरूपण	६०१–६०५
११४	गणनानुपूर्वी का निरूपण	६०५–६०८
११५	संस्थानानुपूर्वी का निरूपण	६०८–६१४
११६	सामाचार्यानुपूर्वी का निरूपण	६१४–६२३
११७	भावानुपूर्वी का निरूपण	६२३–६२८
११८	उपक्रम के दूसरेभेद नाम का निरूपण	६२८–६३०
११९	एक नाम के स्वरूपका निरूपण	६३०–६३२
१२०	द्विनाम आदिके स्वरूपका निरूपण	६३३–६४४
१२१	त्रिनाम के स्वरूपका निरूपण	६४५–६५५
१२२	पर्यवनामका निरूपण	६५५–६६६
१२३	प्रकारान्तरसे त्रिनामका निरूपण	६६६–६७१
१२४	चतुर्नामका निरूपण	६७१–६७७
१२५	पांचनामों का निरूपण	६७७–६७९
१२६	छ नामों का निरूपण	६७९–६८२
१२७	औदयिकादि भावों के स्वरूपका निरूपण	६८२–६९१
१२८	औपशमिक भावका निरूपण	६९३–६९६

१२९	क्षायिक भावका निरूपण	६९७–७१९
१३०	क्षायोपशमिक भावका निरूपण	७२०–७२५
१३१	पारिणामिक भावका निरूपण	७३५–७४५
१३२	सान्निपातिक भावका निरूपण	७४५–७४६
१३३	द्विकादि संयोगका निरूपण	७४७–७५६
१३४	द्विकादि त्रिकसंयोगज सांनिपातिकभावका निरूपण	७५७–७७२
१३५	चतुष्कसंयोगज सांनिपातिक भावका निरूपण	७७२–७८२
१३६	पंचक संयोगज सांनिपातिक भावका निरूपण	७८२–७८८
१३७	सप्तनामका निरूपण	७८९–७९२
१३८	कारणदर्शनपूर्वक स्वरोंका निरूपण	७९२–७९८
१३९	सात स्वरों के लक्षण का निरूपण	७९८–८०२
१४०	स्वरों के ग्राम एवं मूर्च्छना का निरूपण	८०३–८०५
१४१	स्वर के उत्पत्ति आदि का निरूपण	८०६–८०८
१४२	गीत में हेय और उपादेय का निरूपण	८०८–८२१
१४३	अष्ट नाम का निरूपण	८२१–८२७
१४४	नव नाम का निरूपण	८२८–८३३
१४५	लक्षणपूर्वक वीररस का निरूपण	८३३–८३६
१४६	लक्षणपूर्वकशृंगाररस का निरूपण	८३६–८३९
१४७	लक्षण सहित अद्भुतरस का निरूपण	८३९–८४०
१४८	लक्षण सहित रौद्ररस का निरूपण	८४१–८४४
१४९	लक्षणसहित व्रीडनकरस का निरूपण	८४५–८४८

समाप्त

卐